कपास नई खोज़

भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र

देखें: www.cicr.org.in

अंक: 4 खंड: 12 दिसंबर 21–27, 2014

"विषाक्त पदार्थों हेतु कीट प्रतिरोध पर पच्चीस (25) साल के अनुसंधान - आगे बढ़ने का रास्ता" पर नास रजत जयंती संगोष्ठी

केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर में दि. 27 दिसंबर, 2014 को "विषाक्त पदार्थों हेतु कीट प्रतिरोध पर 25 साल के अनुसंधान - आगे बढ़ने का रास्ता " विषय पर एक दिन का नास रजत जयंती संगोष्ठी आयोजित किया गया था । मुख्य अतिथि डॉ.एस.एन.पूरी, पूर्व कुलपति, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल, मणिपुर ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया । डॉ. संध्या क्रांति, प्रधान, फसल संरक्षण विभाग ने प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया । डॉ. के.आर क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, ने विषाक्त पदार्थों हेतु कीट प्रतिरोध पर काम कर रहे तकनीकी सभा, विशेष रूप से इस क्षेत्र के युवा वक्ताओं के विशिष्ट उद्देश्य पर बल परिचयात्मक टिप्पणी दे दी हैं । डॉ. एस.एन पुरी ने वैज्ञानिक गोष्ठी विशेष रूप से कपास - बीटी कपास - कीटनाशकों-प्रतिरोध– बनाए रखने प्रबंधन में बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए नास द्वारा की गई पहल की सराहना की ।

विचार-विमर्श दो तकनीकी सत्रों में आयोजित की गई । प्रथम सत्र में डॉ. एस.एन पुरी की अध्यक्षता में और डा.टी.वी.के. सिंह की सह अध्यक्षता में 'भारत में 25 साल से अधिक कीटनाशक प्रतिरोध' पर था । वक्ताओं और वार्ता डॉ. ऋषि कुमार- कीटनाशक प्रतिरोध रिपोर्ट, डॉ.जी.एम.वी. प्रसाद राव -भारत में प्रबंधन के मुद्दों, डॉ. वी.श्रीदर - नए अणुओं के साथ प्रतिरोध कम करना और डॉ. संध्या क्रांति -कीड़ों में कीटनाशक प्रतिरोध का तंत्र के विषय में थे । दूसरा तकनीकी सत्र 'विश्व और भारत में बीटी फसलों के लिए प्रतिरोध' पर था । वक्ताओं और वार्ता का विषय हैं, डॉ. के.एस.मोहन - भारत सहित बीटी प्रतिरोध रिपोर्टों, डॉ. जीटी बेहेरे - बीटी फसलों के लिए प्रतिरोध का तंत्र, डॉ. के.पी राघवेंद्र - प्रतिरोध को तोड़ने के लिए आर.एन.ए.आई का दृष्टिकोण, डॉ. पी. श्रीनिवास - प्रतिरोध प्रबंधन विकल्पों के साथ मुद्दे पर थे ।

सभा में लंबाई में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी और कुछ सिफारिशें अर्थात । 1) राष्ट्रीय प्रतिरोध प्रबंधन के लिए रेफरल प्रयोगशाला की स्थापना, 2) किसानों की जागरूकता के साथ-साथ रेफ्यूजी का प्रबंधन, 3) कीटनाशक प्रतिरोध और विषाक्त पदार्थों की निगरानी के लिए आधारभूत ग्रहणशील जनसंख्या बनाना 4) स्काउटिंग की तकनीक एवं निगरानी के लिए मानकीकरण प्रक्रियाओं 5) नई प्रौद्योगिकियों जैसे आरएनएआई को बढ़ावा देना एवं 6) अनुसंधान और विस्तार में आई.आर.एम रणनीतियों प्रभावी कार्यान्वयन प्रतिरोध के संयोधन हेतु सार्वजनिक निजी भागीदारी आदि के साथ थे । भागीदारी के प्रमाण पत्र और स्मारिका सभी प्रतिभागियों को वितरित किए गए । रेपोर्टियर्स डॉ.विश्लेश नगरारे, श्री जॉय दास, श्री राकेश कुमार और कु. सुवर्णा कडाक्कर थे । डॉ. के.आर क्रांति द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संगोष्ठी संपन्न हुआ।

"विषाक्त पदार्थों हेतु कीट प्रतिरोध पर के पच्चीस (25) साल के अनुसंधान - आगे बढ़ने का रास्ता" पर नास रजत जयंती संगोष्ठी

निर्मित एवं प्रकाशित: डॉ. के.आर.क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, नागपुर
प्रमुख संपादक: डॉ. नंदिनी गोक्टे-नार्खडेकर
संपादकों: डॉ. जे.एन्नि शीबा, डॉ. विश्लेष नगरारे, डॉ. जे.अमुदा एवं डॉ. एम.शरवणन
जनसंचार माध्यम समर्थन एवं रुपांकन: डॉ. एम.सबेष एवं श्री. एस.सत्यकुमार
हिन्दी अनुवाद: श्रीमति. के.सुभश्री एवं डॉ. अ.हि.प्रकाश
निर्मित समर्थन: श्री. संजय कुश्वाहा

प्रमाण: कपास नई खोज अंक-4, खंड-12, 2014, भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

प्रकाशन टिप्पणी: यह समाचार पत्र आनलाईन http://www.cicr.org.in/News Letter.html में उपलब्ध है।
कपास नई खोज एक खुला उपयोग कपास समाचार पत्र है ।

कपास नई खोज - के.क.अ.सं, समाचार पत्र केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र.
कार्यालय: पांजरी, एल.पी.जी. बॉटलिंग प्लॉन्ट के पास, वर्धा रोड, नागपुर- 441 108.
दूरभाष: 07103-275536 फैक्स: 07103-275529; E-mail: cicrnagpur@gmail.com